TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

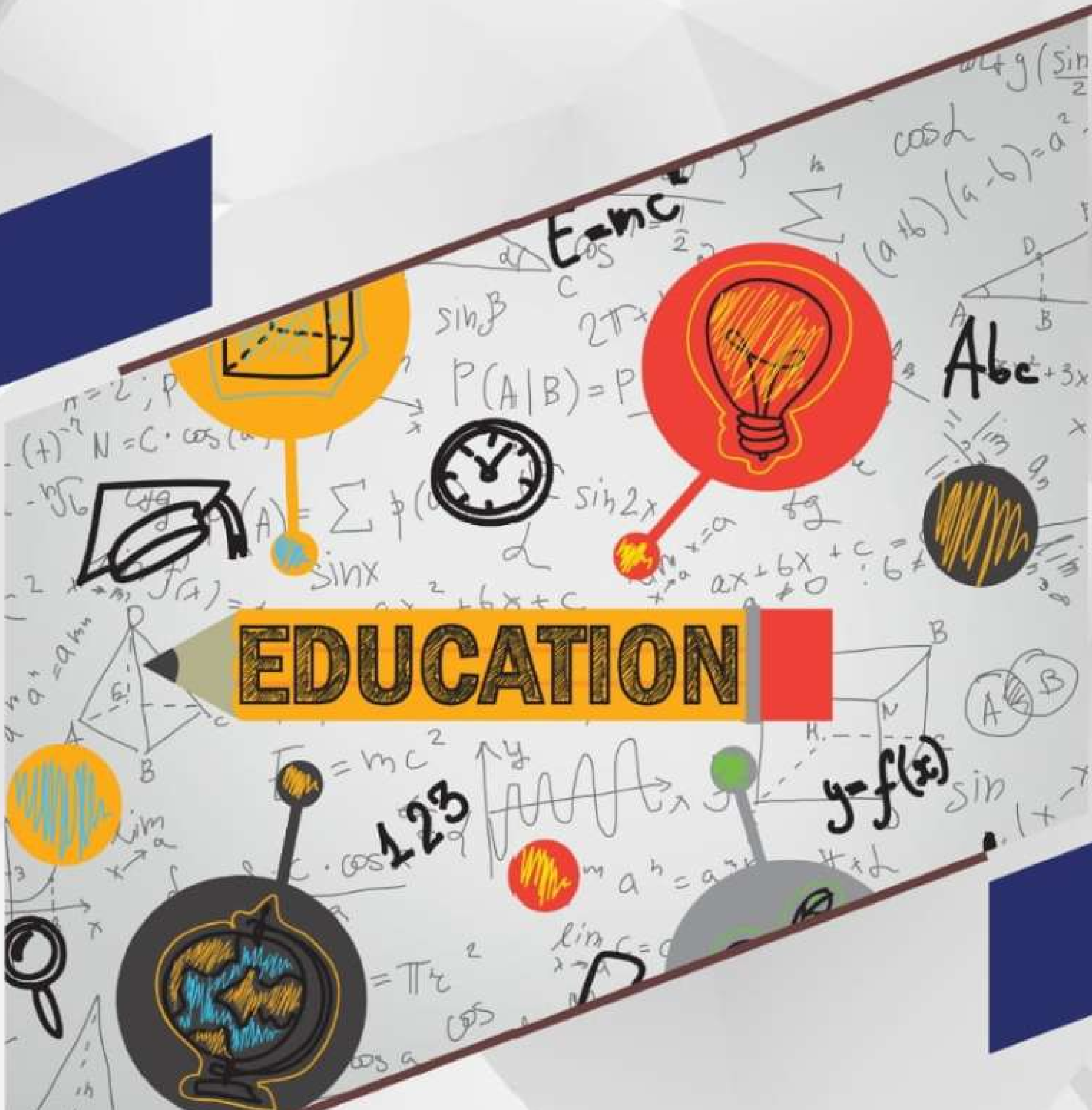

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

02 अप्रैल 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

आज के बच्चे कल के भारत का निर्माण करेंगे। हम उन्हें जिस तरह से पालेंगे, उससे देश का भविष्य तय होगा।

जवाहरलाल नेहरू

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

02 अप्रैल

Gyan Drishti
Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2082, चैत्र माह, शुक्ल पक्ष, चतुर्थी / पंचमी तिथि, बुधवार 02 अप्रैल 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"शिक्षित समाज ही हमारे राष्ट्र को उन्नति और समृद्धि के पथ पर अग्रसित कर सकता है।"

"Only an educated society can lead our nation on the path of progress and prosperity."

DIWAS GYAN

आज के दिन

क्रिकेटर रणजीत सिंह का निधन– 2 अप्रैल, 1933 ई. को क्रिकेटर प्रिंस रणजीत सिंह जी का निधन हुआ था। रणजीत सिंह जी को अक्सर रणजी के नाम से जाना जाता था। वे भारत के पहले क्रिकेट खिलाड़ी थे जिन्होंने इंग्लैंड की तरफ से अपना क्रिकेट करियर शुरू किया तथा अंतर्राष्ट्रीय मैचों में भाग लिया। 1934 ई. में रणजीत के नाम पर भारत में रणजी ट्रॉफी शुरू हुई। इन्हें **'भारतीय क्रिकेट का जन्मदाता'** कहा जाता है।

1. **क्रिप्स प्रस्ताव का अस्वीकार–** क्रिप्स प्रस्ताव से भारत के विभाजन की रूपरेखा का संकेत मिल रहा था। अतः भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अंतरिम प्रबंध, रक्षा से संबंधित योजना एवं प्रान्तों के आत्मनिर्णय के अधिकार को अस्वीकार कर दिया। दूसरी ओर पाकिस्तान की स्पष्ट घोषणा न किये जाने एवं संविधान सभा के गठन की पृथक निर्वाचन मण्डल को मान्यता न दिये जाने के कारण क्रिप्स प्रस्ताव को मुस्लिम लीग ने भी अस्वीकार कर दिया। हिन्दू महासभा, सिख सांप्रदायिकतावादी, अछूतों के नेता अंबेडकर भी अपने हितों का ख्याल कर इसे स्वीकार नहीं कर सके। फलतः अप्रैल 1942 में क्रिप्स महोदय ने अपना प्रस्ताव वापस ले लिया। इसकी विफलता के लिए भारतीय नेताओं को दोषी ठहराकर वे वापस चले गए। तब महात्मा गांधी ने कहा था– 'क्रिप्स प्रस्ताव एक टूटते हुए बैंक के नाम एक उत्तर दिनांकित चेक था।'

2. **विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस–** ऑटिज्म या स्वलीनता एक मानसिक बीमारी है जिसके लक्षण बचपन से ही नज़र आने लगते हैं। ऐसे बच्चे को प्रतिक्रिया देने में काफी समय लगता है तथा भाषा संबंधी रुकावट का भी सामना करना पड़ता है। ऑटिज्म से पीड़ित बच्चे नजर मिलाने से कतराते हैं तथा अपनी दुनिया में खोये रहते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस की घोषणा 2 अप्रैल, 2007 में की थी। भारत के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अनुसार प्रति 110 में से एक बच्चा ऑटिज्म से ग्रसित है।
बच्चों को क्या दिखायें? फिल्मकार दीपक पार्वतीयार की छह मिनट आठ सेकेंड की फिल्म 'आई एम स्पेशल: माई वर्ल्ड इज डिफरेंट' अथवा फिल्म 'बर्फी' (प्रियंका चोपड़ा का किरदार) बच्चों को दिखाया जा सकता है।

3. **भारत की प्रथम मीटर गेज विद्युत रेलगाड़ी–** भारत की मीटर गेज की प्रथम विद्युत रेलगाड़ी मद्रास एण्ड साउथर्न मराठा रेलवे द्वारा 02 अप्रैल, 1931 ई. को ही चलाई गई थी। यह रेलगाड़ी मद्रास बीच से ताम्बरम तक शुरू की गई थी जिसका मद्रास के गर्वनर सर जॉर्ज एफ स्टेनली ने प्रथम मद्रास इलेक्ट्रिक सबअर्बन रेल सेवा के रूप में उद्घाटन किया था। इसे जन सामान्य के लिए 11 मई, 1931 ई. को खोल दिया गया।

4. **मेघालय स्वायत्त राज्य बना–** वर्ष 1945–46 में खासी स्टेट्स पिपुल्स युनियन का गठन हुआ जिसने खासी राज्य संघ के गठन का संकल्प लिया। खासी तथा गारो जाति के राजनीतिक मांगों के दबाव में संविधान में 6ठी अनुसूची के तहत हिल जिलों में रहने वाले जनजातीय आबादी की स्वायत्तता का प्रावधान जोड़ा गया। वर्ष 1953 में असम से पृथक राज्य बनाने की मांग ने आंदोलन का स्वरूप ले लिया। 2 अप्रैल, 1970 ई. को असम राज्य में जो संयुक्त खासी, जयंतिया तथा गारो पहाड़ी जिले थे उन्हीं को मिलाकर अप्रैल 1970 में मेघालय स्वायत्त क्षेत्र का गठन किया गया था। संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत नवगठित मेघालय राज्य का एक विधानमंडल भी बनाया गया था जिसके 37 सदस्य थे। 21 जनवरी 1971 को मेघालय को पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त हुआ। इस पर्वतीय राज्य की उत्तरी और पूर्वी सीमाएं असम से तथा दक्षिणी व पश्चिमी सीमाएं बांग्लादेश से मिलती हैं।

5. **पुणे सार्वजनिक सभा की स्थापना–** 2 अप्रैल, 1970 ई. को ही पुणे सार्वजनिक सभा की स्थापना गणेश वासुदेव जोशी द्वारा किया गया था। यह ब्रिटिश भारत का एक सामाजिक संगठन था जो भारत सरकार और लोगों के बीच मध्यस्थ के रूप में काम करने और किसानों के कानूनी अधिकारों को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से शुरू हुआ था। 'सार्वजनिक सभा' को अपने इस कार्य में काफी सफलता मिली। नमक पर कर कम किया गया, किसानों की दशा की जाँच करने के लिए कमीशन बैठा, 1876 के भयंकर अकाल में सरकार से सहायता प्राप्त करने में कामयाबी मिली। इन सब कार्यों के कारण गणेश वासुदेव जोशी का नाम 'सार्वजनिक काका' पड़ गया।

मधु प्रिया

अंतर्राष्ट्रीय बाल पुस्तक दिवस 2 अप्रैल

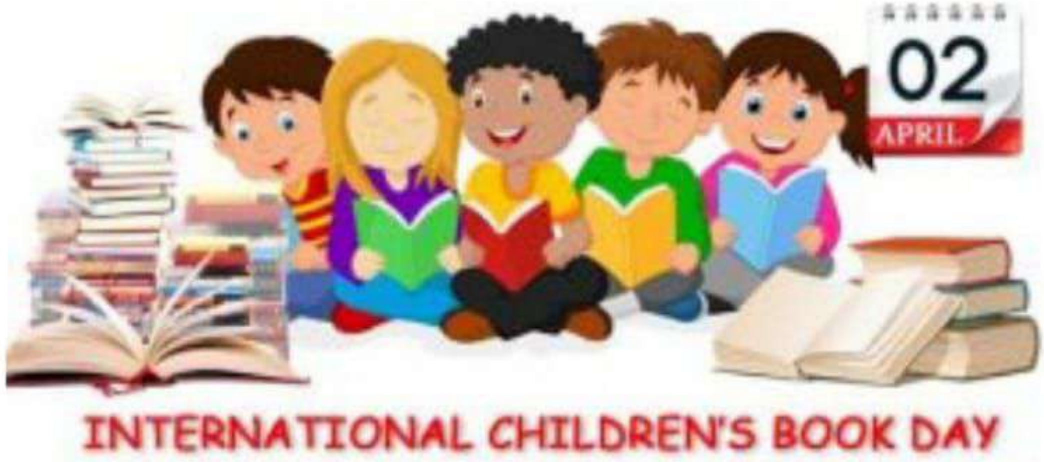

अंतर्राष्ट्रीय बाल पुस्तक दिवस एक अंतरराष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठन इंटरनेशनल बोर्ड ऑन बुक्स फॉर यंग पीपल (IBBY) द्वारा प्रायोजित एक वार्षिक कार्यक्रम है। 1967 में स्थापित, यह दिन हंस क्रिश्चियन एंडरसन के जन्मदिन, 2 अप्रैल को या उसके आसपास मनाया जाता है ।जिसमे गतिविधियों में लेखन प्रतियोगिताएं, पुस्तक पुरस्कारों की घोषणा और बच्चों के साहित्य के लेखकों के साथ कार्यक्रम शामिल हैं । प्रत्येक वर्ष IBBY के एक अलग राष्ट्रीय अनुभाग को ICBD का अंतर्राष्ट्रीय प्रायोजक बनने का अवसर मिलता है। यह एक विषय पर निर्णय लेता है और मेजबान देश के एक प्रमुख लेखक को दुनिया के बच्चों और एक प्रसिद्ध चित्रकार को एक पोस्टर डिजाइन करने के लिए एक संदेश लिखने के लिए आमंत्रित करता है। इन सामग्रियों का उपयोग पुस्तकों और पढ़ने को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न तरीकों से किया जाता है। कई IBBY अनुभाग मीडिया के माध्यम से ICBD को बढ़ावा देते हैं और स्कूलों और सार्वजनिक पुस्तकालयों में गतिविधियों का आयोजन करते हैं। अक्सर आईसीबीडी बच्चों की किताबों और अन्य विशेष आयोजनों से जुड़ा होता है जिसमें लेखकों और चित्रकारों के साथ मुठभेड़, लेखन प्रतियोगिताएं या पुस्तक पुरस्कारों की घोषणा शामिल हो सकती है।

Teachers of Bihar

The change makers

जयंती विशेष 02 अप्रैल

बिन्देश्वर पाठक *Bindeshwar Pathak*, जन्म- 2 अप्रैल, 1943; मृत्यु- 15 अगस्त, 2023) भारतीय समाजशास्त्री और सामाजिक उद्यमी थे। वह 'सुलभ इंटरनेशनल' के संस्थापक थे, जो एक भारत-आधारित सामाजिक सेवा संगठन है और जो शिक्षा के माध्यम से मानव अधिकारों, पर्यावरणीय स्वच्छता, ऊर्जा के गैर-पारंपरिक स्रोतों, अपशिष्ट प्रबंधन और सामाजिक सुधारों को बढ़ावा देता है।

विज्ञान कॉर्नर

विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

तत्व (Element)

ऑस्मियम(Osmium)

संकेत (symbol) - Os

परमाणु संख्या (Atomic no.) - 76

समूह(group)-8

आवर्त (period)-6

ब्लाक (block)-d

संयोजकता- -2 to +8

समस्थानिक (isotope)-7

विन्यास -[Xe]$4f^{14}$ $5d^{6}6s^{2}$

परमाणु भार (A.weight) -190.23

खोज

1803,स्मिथसन टेनेंट

भौतिक गुण

नीला सफेद, कठोर , भंगुर, चमकदार, सबसे भारी धातु

रासायनिक गुण

रासायनिक रूप से उदासीन

उपयोग

कठोर मिश्र धातु, फाउंटेनपेन की नोक, माइक्रोस्कोपी, उत्प्रेरक, बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण

Anu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

वैज्ञानिक कारण

SCIENCE

थर्मस फलास्क के दीवारों के बीच का स्थान निर्वात किया जाता है, क्यों?

क्योंकि संवहन द्वारा ऊष्मा का स्थानांतरण रोकने के लिए थर्मस फलास्क की दीवारों के बीच निर्वात कर दिया जाता है ।

Madhu priya

TOB

खेल कॉर्नर

ICC फाइनल में कप्तानों की लगातार जीत

1975-1979

क्लाइव लॉयड

(वर्ल्ड कप)

2006

रिकी पोंटिंग

(चैंपियंस ट्रॉफी)

2007

रिकी पोंटिंग

(वर्ल्ड कप)

2023

पैट कमिंस

(टेस्ट चैंपियनशिप)

2023

पैट कमिंस

(वर्ल्ड कप)

2024

रोहित शर्मा

(T20 वर्ल्ड कप)

2025

रोहित शर्मा

(चैंपियंस ट्रॉफी)

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **02.04.2025**

शास्त्रीय अनुबंधन सिद्धांत

शास्त्रीय अनुबंधन सिद्धांत, सीखने का एक सिद्धांत है. यह बताता है कि कैसे एक अनुक्रिया, किसी नए उद्दीपक से जुड़ जाती है. इस प्रक्रिया को अनुबंधन कहते हैं. इस सिद्धांत को रूसी मनोवैज्ञानिक इवान पावलोव ने प्रतिपादित किया था।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

संघाई में स्थित दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची इमारत संघाई टावर (2000 फीट) में दुनिया का सबसे ऊंचा होटल खोला गया है इस होटल का नाम जे होटल है। इस होटल का रेस्टुरेंट 120वे मंजिल पर है।

www.teachersofbihar.org राकेश कुमार

ToB बूझो तो जानें..

बिहार दिवस विशेष

बिहार का राजकीय पुष्प हैं... बुझो तो जानें... ?

www.teachersofbihar.org

संजय कुमार

TEACHERS OF BIHAR

Presents

CYBERमंत्र

साईबर शिक्षा से साईबर सुरक्षा

दूसरों की निजता का सम्मान करें, ठीक वैसे ही जैसे आप ऑनलाइन रहते हुए उनसे उम्मीद करते हैं।

Madhu priya

शिकायत हेतु : https://cybercrime.gov.in

विद्यालयी प्रणाली हेतु दिशानिर्देश: https://ciet.nic.in/pages.php?id=book-

www.teachersofbihar.org

Teachers
Of
Bihar

आओं सीखें

कौशल

कौशल वह योग्यता है जो व्यक्ति मेहनत, अभ्यास, प्रशिक्षण और अनुभव से अर्जित करता है। इसे सीखने की प्रक्रिया के दौरान विकसित किया जाता है और नियमित प्रयास से इसमें सुधार संभव होता है।

जैसे :

- कोई व्यक्ति पियानो बजाने का अभ्यास करता हैं तो वह कौशल विकसित करता हैं ।

प्रतिभा

प्रतिभा वह प्राकृतिक, जन्मजात क्षमता है जो बिना विशेष प्रशिक्षण के भी किसी व्यक्ति में मौजूद होती है। यह स्वाभाविक रूप से आती है और अक्सर कम प्रयास में ही उत्कृष्टता दिखाने में मदद करती है।

जैसे :

- कुछ बच्चों में ही स्वाभाविक रूप से संगीत के प्रति रुचि और सुनने की क्षमता होती है, जिसे हम प्रतिभा कह सकते हैं।

संक्षेप में :-

- कौशल मेहनत और नियमित अभ्यास से अर्जित होता है
- प्रतिभा जन्म से ही किसी व्यक्ति में मौजूद होती है।

ToB Photo of the day

म ०वि० बिठला परबत्ता, खगड़िया

म ० वि०मधुरापुर बालक, नारायणपुर, भागलपुर

मध्य विद्यालय मिरचाईबाड़ी, कटिहार

पर्दा कन्या म० वि ०आरा, भोजपुर

संकलनकर्ता- पुष्पा प्रसाद

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
2 अप्रैल
विश्व बाल पुस्तक दिवस
की समस्त बालक/बालिकाओं को
हार्दिक शुभकामनाएं।
www.teachersofbihar.org
Madhu priya